ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, सोमवार 09 मार्च 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 293

जोधपुर के ज्वेलरी व्यापारी की राजमसंद में संदिग्ध मौत, मौत से पहले बनाया था वीडियो

24 न्यूज अपडेट

राजसमंद। राजसमंद जिले में जोधपुर के एक ज्वेलरी व्यापारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। व्यापारी का शव एक स्थानीय व्यापारी के घर में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध को डिटेन कर जांच शुरू कर दी है।

मामला राजसमंद के श्रीनाथजी थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान दिनेश टांक निवासी बिलाड़ा (जोधपुर) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दिनेश टांक पिछले दो दिनों से बकाया चांदी और रुपए लेने के सिलसिले में नाथद्वारा आए हुए थे और एक ज्वेलर दंपती के घर ठहरे हुए थे।

डीएसपी बोलीं – पोस्टमॉर्टम के बाद होगा खुलासा

डीएसपी शिप्रा राजावत ने बताया कि दिनेश टांक का शव संदिग्ध हालत में मिला है। प्रथम दृष्टया यह मामला सुसाइड या हत्या का है, इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा। फिलहाल पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

चांदी के रुपए लेने आए थे नाथद्वारा

मृतक के भांजे मुकेश टांक ने बताया कि उनके मामाजी 5 तारीख को नाथद्वारा आए थे। यहां के रहने वाले विजय सोनी और उनकी पत्नी से उनका लेन-देन था और वे उनसे चांदी के रुपए लेने के लिए आए थे। मुकेश का आरोप है कि मामाजी अक्सर उनसे बकाया चांदी और रुपए की मांग कर रहे थे।

मौत से पहले बनाया था वीडियो

परिजनों के अनुसार मौत से पहले रात करीब 1:30 बजे दिनेश टांक का एक वीडियो सामने आया, जिसमें उन्होंने अपनी जान को खतरा बताया था। सुबह करीब 7 बजे परिजनों ने वह वीडियो देखा, जिसके बाद वे नाथद्वारा पहुंचे। वहां पहुंचने पर उन्हें दिनेश टांक की मौत की सूचना मिली।

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

भांजे मुकेश टांक ने आरोप लगाया कि यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या का मामला है। उन्होंने बताया कि जब वे मौके पर पहुंचे तो दिनेश टांक की बॉडी गद्दे पर पड़ी हुई थी। न तो उन्होंने फांसी लगाई थी और न ही मुंह से झाग निकल रहे थे।

ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत बड़ी कार्रवाई, 7 किलो अफीम के पौधे व 0.576 किलो अफीम बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान "ऑपरेशन त्रिनेत्र" के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 07 किलोग्राम अफीम के पौधे तथा 0.576 किलोग्राम अफीम जब्त की है। यह कार्रवाई पुलिस थाना मांडवा और पुलिस थाना फतहनगर की टीमों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर की गई। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश पर तथा जिला पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में जिलेभर में अवैध मादक पदार्थों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मांडवा और फतहनगर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई कर मादक पदार्थ बरामद किए।

मांडवा थाना क्षेत्र में कार्रवाई

थानाधिकारी मांडवा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गांव आम्बा, सामोली में एक खेत में दबिश दी। यहां बेर के पेड़ के नीचे अवैध रूप से लगाए गए अफीम के पौधे बरामद किए गए। पुलिस ने मौके से करीब 07 किलोग्राम अफीम के पौधे जब्त किए। इस मामले में प्रकरण संख्या 24/2026 दर्ज कर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/15 के तहत मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

फतहनगर थाना क्षेत्र में आरोपी गिरफ्तार

वहीं दूसरी ओर फतहनगर थाना पुलिस ने अवैध अफीम का परिवहन करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 0.576 किलोग्राम अफीम बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान रतनलाल पुत्र छोगालाल निवासी मुनगठिया, थाना आकोला, जिला चित्तौड़गढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि आरोपी यह अफीम कहां से लेकर आया था और इसे कहां सप्लाई करने की योजना थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में मादक पदार्थों के संभावित नेटवर्क और अन्य संलिप्त व्यक्तियों की भी जांच की जा रही है। साथ ही क्षेत्र में अवैध रूप से अफीम की खेती और तस्करी को रोकने के लिए अभियान को और तेज किया जाएगा।

ऑपरेशन त्रिनेत्रः प्रतापगढ़ पुलिस का नशे के विरुद्ध बड़ा प्रहार; 1.84 क्विंटल अवैध गांजा जब्त, 97 लाख आंकी गई है कीमत

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। प्रतापगढ़ जिला पुलिस अधीक्षक बी. आदित्य के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत प्रतापगढ़ पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध खेती के विरुद्ध दो बड़ी कार्रवाइयां की हैं। पुलिस थाना पीपलखूंट और धरियावद की टीमों ने मक्का व गेहूं की फसल के बीच छिपाकर की जा रही गांजे की खेती का भंडाफोड़ करते हुए कुल 1 क्विंटल 84 किलोग्राम से अधिक अवैध गांजा जब्त किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 97.50 लाख रुपये आंकी गई है।

पीपलखूंटः मक्का की आड़ में 72 लाख का गांजा, खेत मालिक गिरफ्तार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गजेंद्र सिंह जोधा और वृत्ताधिकारी सुनील कुमार जाखड़ के मार्गदर्शन में पीपलखूंट थानाधिकारी शक्ति दायमा (प्रशिक्षु आरपीएस) के नेतृत्व वाली टीम ने ग्राम बोरी में दबिश दी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नानुराम मीणा के खेत की घेराबंदी की, जहां मक्का की फसल के बीच अवैध रूप से उगाए गए गांजे के पौधों को जब्त किया गया।

पुलिस ने मौके से कुल 01 क्विंटल 43 किलो 880 ग्राम अवैध गांजा जब्त किया, जिसकी बाजार में कीमत करीब 72 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने 40 वर्षीय खेत मालिक नानुराम मीणा को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

धरियावदः गेहूं की फसल के बीच लहलहा रही थी गांजे की खेती दूसरी बड़ी कार्यवाही धरियावद थाना क्षेत्र के बिलकावास ऑडाफला गांव में हुई। थानाधिकारी राहुल गोयल (प्रशिक्षु आरपीएस) और इंस्पेक्टर हजारीलाल की टीम जब अवैध शराब की धरपकड़ हेतु गश्त पर थी, तब उन्हें गेहूं के खेत के बीच अवैध गांजे की खेती के संकेत मिले।

आरोपी वक्ता मीणा ने अपने खेत में गेहूं की फसल के बीच-बीच में हरे पत्तियांयुक्त और फूलदार डोडियों वाले गांजे के पौधे उगा रखे थे। पुलिस ने यहाँ से 41 किलो 685 ग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी अनुमानित कीमत 25 लाख 50 हजार रुपये है।

पुलिस की आहट पाकर आरोपी वक्ता मीणा मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश हेतु टीम गठित की गई है।

सायरा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 48 घंटे में ब्लाइंड मर्डर का खुलासा, 5 आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर. जिले के सायरा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ब्लाइंड मर्डर का 48 घंटे में खुलासा कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार 6 मार्च 2026 को केलो की सेरी रावछ निवासी मोतीराम ने रिपोर्ट दी कि उसका 27 वर्षीय पुत्र सामताराम 5 मार्च को चाम्बुआ गांव में रिश्तेदार के यहां ढुण्ढ कार्यक्रम में गया था, लेकिन रात तक घर नहीं लौटा। अगले दिन उसकी लाश चामुंडा माता मंदिर पालीदणा के पास मिली, जिसके सिर पर गंभीर चोट के निशान थे। प्रकरण दर्ज होने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सायरा थानाधिकारी और टीम ने तकनीकी सहायता व सूचना तंत्र के आधार पर जांच शुरू की। घटनास्थल और आसपास के क्षेत्र में पूछताछ के बाद पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सभी ने शराब पी रखी थी। वापसी के समय सामताराम जीप में एक लड़की के साथ छेड़छाड़ कर रहा था। कई बार समझाने के बावजूद वह नहीं माना, जिस पर गुस्से में आकर आरोपियों ने उसे रास्ते में उतारकर नाले के पास ले जाकर मारपीट की, जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में पहचान छिपाने के लिए शव को करीब 7–8 किलोमीटर दूर वागुणी पालीदणा रोड किनारे फेंक दिया। पुलिस ने मामले में निम्बाराम पुत्र नानाराम निवासी केला की सेरी रावछ (थाना सायरा), रमेश पुत्र रणछाराम निवासी मेवाड़ो का मठ (थाना बेकरिया), धर्माराम पुत्र देवाराम निवासी सेमल (थाना बेकरिया), हंसाराम पुत्र नानाराम निवासी केला की सेरी रावछ (थाना सायरा) तथा रमेश पुत्र देवाराम निवासी केला की सेरी रावछ (थाना सायरा) को गिरफ्तार किया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष विजया रहाटकर ने पुलिस मुख्यालय में की समीक्षा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 9 मार्च। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यालय में महिला सुरक्षा और महिला अपराधों की स्थिति को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर ने की। इस दौरान महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ महिला सुरक्षा, महिला अपराधों की रोकथाम और सामाजिक चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार महिलाओं से जुड़े अपराधों में गिरावट को सकारात्मक संकेत बताया गया। रहाटकर ने कहा कि महिलाओं द्वारा शिकायत दर्ज कराने की बढ़ती प्रवृत्ति समाज में जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ने का प्रतीक है। उन्होंने साइबर अपराधों के मामलों में भी सतर्कता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में थानों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करने, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को कानूनी प्रशिक्षण देने तथा राष्ट्रीय महिला आयोग और पुलिस के बीच बेहतर समन्वय बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। डीजीपी राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। गंभीर मामलों में 'केस ऑफिसर स्कीम' के तहत कार्रवाई कर त्वरित और प्रभावी न्याय सुनिश्चित किया जा रहा है। बैठक में एडीजी सिविल राइट्स लता मनोज कुमार और एसपी हर्षवर्धन अगरवाला ने पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से महिला अपराधों की स्थिति और पुलिस के प्रयासों की जानकारी दी। इस दौरान डीजी ट्रैफिक अनिल पालीवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ईरान जंग से कच्चा तेल 2022 के बाद सबसे महंगाः115 डॉलर के पार निकला, एक्सपर्ट बोले- 150 डॉलर तक पहुंच सकती हैं कीमत

24 न्यूज अपडेट

अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम साढ़े तीन साल के हाई पर पहुंच गए हैं। आज यानी 9 मार्च को कारोबार के दौरान ये 25% बढ़कर 115 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। हालांकि बाद में ये थोड़ा नीचे आया और ये अब 105 डॉलर के करीब है। इससे पहले 2022 में रूस-यूक्रेन जंग से कच्चा तेल 100 डॉलर के पार निकला था।

घरेलू सिलेंडर के दाम 60 रुपए बढ़े

इस बीच सरकार ने घरेलू गैस सिलेंडर 60 रुपए महंगा किया है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम की LPG गैस अब 913 रुपए की मिल रहा है। पहले यह 853 रुपए की थी।

वहीं 19 किग्रा वाले कॉमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए का इजाफा किया गया है। यह अब 1883 रुपए का मिल रहा है। बढ़ी हुई कीमतें 7 मार्च से लागू हो गई है।

सोना आज 817 बढ़कर 1.60 लाख पर पहुंचाःइस साल कीमत में 26 हजार का इजाफा; चांदी 2,080 महंगी होकर 2.63 लाख/किलो हुई

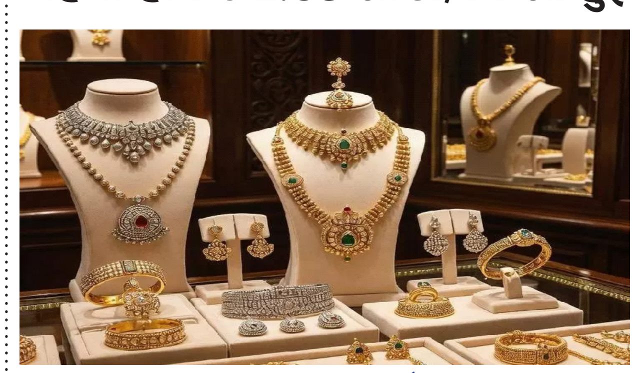

24 न्यूज अपडेट

सोना-चांदी के दाम में लगातार तीन दिन गिरावट के बाद आज तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 817 रुपए बढ़कर 1.60 लाख पहुंच गया। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 1.58 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, एक किलो चांदी 2,080 रुपए बढ़कर 2.63 लाख पर पहुंच गई है। इससे पहले शुक्रवार को इसकी कीमत 2.60 लाख रुपए प्रति किलो थी।

ईरान जंग से सेंसेक्स 1353 अंक गिरकर 77,566 पर बंदःरुपया 92.33 के ऑलटाइम लो पर पहुंचा; कच्चा तेल 10 दिन में 50% चढ़ा

9 मार्च, 2026

सेंसेक्स 3:30 बजे तक

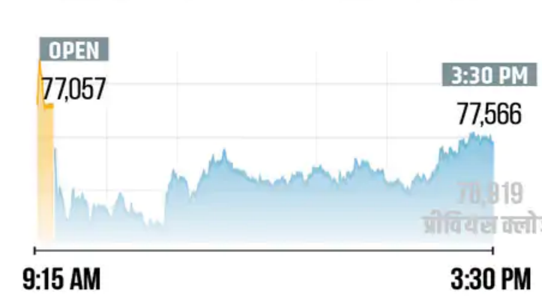

24 न्यूज अपडेट

अमेरिका-इजराइल और ईरान के कारण शेयर बाजार में आज यानी 9 मार्च को बड़ी गिरावट रही। सेंसेक्स 1353 अंक (1.71%) नीचे 77,566 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी में भी 422 अंक (1.73%) की गिरावट रही, ये 24,028 पर बंद हुआ। आज बैंक, ऑटो, मेटल, एनर्जी और FMCG शेयरों में ज्यादा बिकवाली रही।

जियोपॉलिटिकल तनाव और जंग जैसी स्थिति में महंगाई बढ़ने का खतरा रहता है। इससे कंपनियों का मुनाफा कम हो सकता है। ऐसे में निवेशक अपने शेयर बेचना शुरू कर देते हैं और सुरक्षित जगह निवेश करते हैं। इससे बाजार में गिरावट आती है।

संपादकीय : जंग के मोर्चे

जब दो या अधिक देशों के बीच युद्ध का मोर्चा खुलता है, तो उसका असर सिर्फ इस रूप में सामने नहीं आता कि एक-दूसरे पर किए गए हमले के नतीजे में जानमाल की व्यापक क्षति होती है। बल्कि जंग के लंबा खिंचने पर कई स्तरों पर जरूरी सामग्री की आपूर्ति बाधित होती है और नतीजतन बाजार में लगभग सभी चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ने लगती हैं। ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद जिस बात का डर था, उसकी शुरुआत अब हो चुकी है। यानी जो देश इस जंग में शामिल नहीं हैं, उन तक भी इसकी आंच पहुंचनी शुरू हो चुकी है। हाल ही में भारत के शेयर बाजार पर भी इसका असर देखा गया, जहां बड़ी गिरावट की वजह से निवेशकों को लगभग उन्नीस लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। चूंकि युद्ध की तीव्रता में फिलहाल कोई नरमी नहीं देखी जा रही है, इसलिए यह स्थिति अभी कायम रहने की आशंका है। मगर इससे इतर अब युद्ध का असर देश के आम लोगों के घर के दरवाजे तक पहुंचना शुरू हो चुका है। मसलन, रसोई गैस की कीमत में साठ रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की वजह से भारत सहित अन्य कई देशों को नए रास्तों की और देखना पड़ रहा है। इस बीच कच्चे तेल की कीमतों के सौ डालर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। अंदाजा लगाया जा सकता है कि बाजार के इस रुख का असर कहां तक जा सकता है और अगर युद्ध लंबा खिंचा, तो वैसे देशों में कैसी मुश्किल पैदा होगी, जहां की अर्थव्यवस्था और जीवनयापन का एक बड़ा हिस्सा बाहर से आपूर्ति पर निर्भर है। इजराइली हमले के बाद प्रतिक्रिया में ईरान ने जो रुख अख्तियार किया है, उससे पहले ही कई मुख्य तेल उत्पादक देशों में असुरक्षा का माहौल है। फिर होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के रास्ते को ईरान ने जिस तरह बाधित कर दिया है, उससे दुनिया के एक बड़े हिस्से में तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी । होर्मुज की नाकाबंदी की वजह से उस इलाके में फंसे जहाजों को लंबा रास्ता तय करना होगा। भारत के सामने ही स्थिति यह है कि इसके पास अगले छह से आठ हफ्ते का तेल भंडार है। स्वाभाविक ही भारत को अब तेल के लिए अन्य वैकल्पिक स्रोतों की ओर देखना होगा। राहत की बात यह है कि एक ओर रूस ने भारत को तेल बेचने की पेशकश की, तो दूसरी ओर अमेरिका ने भी इस मसले पर नरम रुख अपनाया है। इसके बावजूद पश्चिम एशिया में चल रहे इस युद्ध का असर केवल वैश्विक स्तर पर तेल और गैस के बाजारों पर ही नहीं पड़ा है, बल्कि तनाव में बढ़ोतरी कई बड़े उद्योगों के लिए भी चिंता का कारण बन रहा है, क्योंकि इस क्षेत्र के लिए कच्चे माल की आपूर्ति भी बाधित हो रही है। खासतौर पर तेल की कीमतों में भारी उछाल आना और इसका असर बाजार में अन्य लगभग सभी सामान पर पड़ना तय माना जा रहा है। दरअसल, इसके समांतर माल ढुलाई के महंगा होने की वजह से सब्जियों से लेकर दूसरी कई जरूरी चीजों के दाम भी बढ़ेंगे। निश्चित रूप से इससे प्रभावित देशों को अपने स्तर पर विकल्प और समाधान निकालने की जरूरत है। मगर सवाल है कि क्या युद्ध में शामिल देशों को इस बात की फिक्र है कि उनकी वजह से दुनिया भर में आम लोगों के सामने अपनी अनिवार्य जरूरत पूरी करने के लिए जद्दोजहद के कितने मोर्चे खुल गए हैं।

ताक पर नियम

अस्पताल सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं का महत्त्वपूर्ण केंद्र होते हैं। इसी आधार पर निजी अस्पतालों के निर्माण के लिए सरकार की ओर से रियायती दर पर जमीन उपलब्ध कराई जाती है। मगर इसमें कुछ नियम- शर्तें भी लागू होती हैं, जिनमें आर्थिक रूप से कमजोर तबके के लोगों के लिए तयशुदा सीमा में मुफ्त इलाज की सुविधा भी शामिल है। मगर इन नियमों का पूरी तरह पालन हो रहा है या नहीं, इसकी चिंता शायद ही सरकार या अस्पताल प्रबंधन को होती है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में देश की राजधानी दिल्ली के 51 अस्पतालों को नोटिस भेजकर नियमों का पालन नहीं करने पर कारण स्पष्ट करने को कहा है। साथ ही पूछा है कि क्यों न उनके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाए। ऐसे में सवाल है कि जो जिम्मेदारी सरकार की है, वह कार्य शीर्ष अदालत को क्यों करना पड़ रहा है ? आखिर क्या वजह है कि नियमों की अनदेखी को सरकारी तंत्र में गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है ? दरअसल, केंद्र सरकार ने वर्ष 2012 में एक नीति लागू की थी, जिसके तहत दिल्ली में गरीब लोगों के लिए निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा का प्रावधान था । इसके मुताबिक, निजी अस्पतालों के निर्माण के लिए इस आधार पर रियायती दर पर जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। कि उनके आंतरिक रोगी विभाग में कम-से-कम दस फीसद और बाह्य रोगी विभाग में पच्चीस फीसद गरीबों का निशुल्क उपचार किया जाएगा। वर्ष 2018 में सर्वोच्च न्यायालय ने रियायत पर जमीन लिए दिल्ली के सभी निजी अस्पतालों को सरकार के इन नियमों का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद अगर कोताही बरती जा रही है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है ? जाहिर है, निजी अस्पतालों में नियमों के अनुसार गरीबों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, यह सुनिश्चित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी सरकार की है। और अगर अदालती निर्देश के बाद भी सरकारी तंत्र तथा निजी अस्पताल इस मसले को गंभीरता से नहीं लेते हैं, तो इसे किस रूप में देखा जाएगा ? ऐसे में जरूरी है कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए, ताकि व्यवस्था पर आम लोगों का भरोसा बना रहे।

एमबी अस्पताल की ओपीडी में अंधेरा, जनरेटर पर लापरवाही का पहरा, कहां सोए हैं अधीक्षक साहब???

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर के एमबी अस्पताल में भारी अव्यवस्थाओं का बोलबाला है। नए नए अवार्ड और तमगे इस अस्पताल को जरूर मिल गए होंगे मगर साधारण व्यवस्थाओं के प्रति अस्पताल प्रशासन का रवैया बेहद लचर है। अस्पताल की ओपीडी में बिजली बंद होने की समस्या ने मरीजों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। ओपीडी में आने वाले मरीजों को हर दिन इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण जानकार भी आप हैरान हो जाएंगे। यहां पर जनता के पैसों से डीजी जनरेटर खरीदा तो गया है मगर उसे ओटो मोड पर नहीं रखा गया है। याने बिजली जाते ही वहां पर तैनात कर्मचारी अपनी फुर्सत और सहूलियत के हिसाब से जनरेटर चालू करता है। इस प्रक्रिया में कई बार दस मिनट से लेकर 20 मिनट तक लग जाते हैं। तब तक पूरी ओपीडी का काम प्रभावित होता हैं X-RAY सहित अन्य जांचों की मशीनें ठप हो जाती हैं, पर्ची सिस्टम फेल हो जाता है। इससे पहले से लाइनों में लग कर अपनी बारी का इंतजार कर रहे मरीजों को परेशानी और भी ज्यादा बढ़ जाती हैं। जानकारों का कहना है कि इस बारे में अस्पताल अधीक्षक से लेकर सभी संबंधित जिममेदारों को कई बार कहा जा चुका है मगर सरकारी तंत्र होने से उन पर कोई असर नहीं पड़ रहा हैं। ऐसे में जिला कलेक्टर को खुद संज्ञान लेकर संबंधितों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। लोगों ने यह भी बताया कि इस छोटी सी लापरवाही के चलते अस्पताल की प्रतिष्ठा भी धूमिल हो रही है।

मेवाड़ विश्वविद्यालय में कश्मीरी विद्यार्थियों का प्रदर्शन, डिग्री की मान्यता को लेकर हंगामा; आत्मदाह का प्रयास, 17 विद्यार्थी हिरासत में

24 न्यूज अपडेट

चित्तौड़गढ़. चित्तौड़गढ़ स्थित मेवाड़ विश्वविद्यालय में नर्सिंग पाठ्यक्रम की मान्यता को लेकर सोमवार को कश्मीरी विद्यार्थियों ने जोरदार प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिसर में एकत्र हुए और विश्वविद्यालय प्रशासन के विरुद्ध नारे लगाए। इस दौरान कई विद्यार्थी भावुक होकर रो पड़े और अपने भविष्य को लेकर चिंता जताते हुए पुलिस तथा प्रशासन से सहायता की गुहार लगाते दिखाई दिए। प्रदर्शन के दौरान एक विद्यार्थी ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह करने का प्रयास किया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने तुरंत उसे पकड़ लिया और बड़ी घटना होने से रोक दिया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने 17 विद्यार्थी-विद्यार्थिनियों को हिरासत में लेकर थाने पहुंचाया।

विज्ञापन देखकर लिया था प्रवेश

प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों का कहना है कि उन्होंने विज्ञापनों के आधार पर मेवाड़ विश्वविद्यालय में नर्सिंग स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। विज्ञापन में बताया गया था कि यह पाठ्यक्रम मान्यता प्राप्त है। बाद में विद्यार्थियों को पता चला कि इस पाठ्यक्रम को अभी तक राजस्थान नर्सिंग परिषद तथा भारतीय नर्सिंग परिषद से मान्यता प्राप्त नहीं है। विद्यार्थियों का कहना है कि इन संस्थाओं की मान्यता के बिना उनकी डिग्री वैध नहीं मानी जाएगी।

अंतिम सत्र में बढ़ी चिंता

विद्यार्थियों के अनुसार वे वर्ष 2022 बैच के हैं और इस समय उनका अंतिम सत्र चल रहा है। उनका आरोप है कि विश्वविद्यालय प्रशासन लगातार बहाने बनाकर मान्यता के मामले को टाल रहा है। कभी कहा जाता है कि प्रक्रिया चल रही है तो कभी विधानसभा सत्र के बाद मान्यता मिलने की बात कही जाती है। प्रदर्शन के दौरान कई विद्यार्थी भावुक हो गए। कुछ विद्यार्थी पुलिस के सामने रोते हुए कहने लगे कि उनके माता-पिता ने बड़ी उम्मीदों के साथ उन्हें पढ़ने के लिए भेजा है। यदि डिग्री की मान्यता नहीं मिली तो उनका पूरा भविष्य संकट में पड़ जाएगा। इस दौरान कई छात्राएं भी परेशान और भावुक दिखाई दीं। कुछ विद्यार्थी एक-दूसरे को संभालते हुए भी नजर आए।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

गंगरार थाना पुलिस के अनुसार प्रदर्शन के दौरान कुछ विद्यार्थियों ने आत्मदाह का प्रयास किया और राजकार्य में बाधा उत्पन्न की। इस मामले में 17 विद्यार्थियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। विद्यार्थियों की मांग है कि विश्वविद्यालय शीघ्र ही पाठ्यक्रम को मान्यता दिलाए, अन्यथा उनकी पढ़ाई और भविष्य को हुए नुकसान की भरपाई के लिए उचित मुआवजा दिया जाए।

खाटूश्यामजी मंदिर में बड़ी चोरीः दानपात्र तोड़कर 8 लाख से अधिक नकदी ले उड़े चोर, सीसीटीवी में कैद वारदात

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फतहनगर थाना क्षेत्र में स्थित खाटूश्यामजी मंदिर में रविवार रात चोरी की बड़ी वारदात सामने आई है। अज्ञात चोर मंदिर का ताला तोड़कर दानपात्र में रखी करीब 8 लाख रुपए से अधिक की नकदी लेकर फरार हो गए। पूरी घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई, जिसमें चार संदिग्ध चोर दिखाई दे रहे हैं। मावली तहसील के लदाना क्षेत्र स्थित इस मंदिर में सुबह जब पुजारी राहुल शर्मा पूजा के लिए पहुंचे तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ मिला। अंदर जाकर देखा तो दानपात्र भी टूटा हुआ था और उसमें रखी भक्तों की चढ़ाई गई नकदी गायब थी। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मंदिर परिसर में एकत्रित हो गए। सीसीटीवी फुटेज में तीन चोर दानपात्र तोड़कर उसमें रखे पैसे एक बोरे में भरते नजर आ रहे हैं, जबकि उनका चौथा साथी बाहर खड़े होकर निगरानी करता दिखाई देता है। फुटेज में यह भी दिखाई देता है कि दो चोर पैसे से भरा बोरा लेकर आगे बढ़ रहे हैं, जबकि पीछे चल रहे दो अन्य चोर रास्ते में गिरे सिक्के उठाते नजर आ रहे हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना कर सीसीटीवी फुटेज अपने कब्जे में ले लिए। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों ने क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि फतहनगर थाना पुलिस की ढीली गश्त और सुस्त कार्यप्रणाली के कारण चोर बेखौफ होकर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की राशि बरामद नहीं की गई तो क्षेत्रवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

प्रेक्षा वरिष्ठ नागरिक संघ ने मनाया होली स्नेह मिलन समारोह

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मार्च। सामाजिक संस्था प्रेक्षा वरिष्ठ नागरिक संघ उदयपुर का होली स्नेह मिलन समारोह नाईयों की तलाई स्थित तेरापंथ भवन सभागार में धूमधाम से मनाया। समारोह में प्रेक्षा वरिष्ठ नागरिक संघ के मुख्य संरक्षक एवं सकल जैन समाज के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने संघ की उपयोगिता व विभिन्न आयामों के बारे में संदेश प्रदान किया।

अध्यक्ष मोतीलाल पोरवाल ने सदस्यों का स्वागत अभिनंदन करते हुए बताया कि हर द्विमासिक कार्यक्रम के साथ मार्च माह के अंत में एक दिवसीय यात्रा का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में भवई नृत्य प्रेमानंद समूह ने राजस्थानी गीत के साथ नृत्य एवं भगवान श्रीकृष्ण-राधा जी की लीला पर रंगारंगा प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके साथ ही प्रेक्षा वरिष्ठ नागरिक संघ के सदस्यों ने भी जमकर डांस किया।

संघ के सदस्य जितेन्द्र धाकड़ द्वारा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आयोजन में सबसे पहले आने वाले पांच सदस्यों का नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही नए सदस्यों, जन्मदिन व शादी सालगिरह वाले व सहयोग कर्ता सदस्यों का भी सम्मान किया गया। महामंत्री रतन मेहनोत ने गत स्नेह मिलन का वाचन किया। कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सदस्यों का उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया गया। दिवंगत हुए संघ संरक्षक अम्बालाल चपलोत एवं अन्य सदस्य के परिवारजन तथा साधु-संतों के दिवंगत होने पर दो मिनिट का मौन रखकर श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। उपाध्यक्ष हुकमराज मेहता द्वारा आभार ज्ञापित किया गया। अंत में राष्ट्रगीत द्वारा कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस अवसर पर मिश्रीलाल लोढ़ा, शांतिलाल सिंघवी, आनन्द इंटोदिया, गणपत पोरवाल, डॉ. बीएल हिरण, राजमल चपलोत, मनोहर लाल तोतावत, लक्ष्मण धुपिया, शंभुलाल जैन, कमलेश परमार, महेन्द्र कोठारी, मोती सिंह पोरवाल, नरेन्द्र सिंह लोढ़ा, अशोक लोढ़ा, प्रकाश पितलिया, ऋषभ विजयलक्ष्मी मूंशी, अर्जुन डांगी, चन्द्रा बोहरा, चन्द्रा सोनी, उषा इंटोदिया, प्रणीता तलेसरा, सहित प्रेक्षा वरिष्ठ नागरिक संघ के सदस्य मौजूद रहे।

पन्नाधाय सुरक्षा सम्मान से सम्मानित हुआ राहडा फाउंडेशन, गोकाष्ठ अभियान की सराहना

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सशक्त महिला, सशक्त समाज और सशक्त राष्ट्र के उद्देश्य को लेकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय पन्नाधाय सुरक्षा सम्मान कार्यक्रम में उदयपुर की अग्रणी सामाजिक संस्था राहडा फाउंडेशन को उसके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

जिला प्रशासन तथा महिला अधिकारिता विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, कलक्टर नमित मेहता तथा एडीजे कुलदीप शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में ''पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना के अंतर्गत राहडा फाउंडेशन की संस्थापक अर्चना सिंह चारण को उनके उल्लेखनीय सामाजिक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि राहडा फाउंडेशन पिछले कई वर्षों से समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, बाल संरक्षण तथा गौ आधारित नवाचार में निरंतर सक्रिय भूमिका निभा रहा है। फाउंडेशन द्वारा तैयार की जाने वाली ''गोकाष्ठ'' प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल और किफायती विकल्प के रूप में तेजी से लोकप्रिय हो रही है।

हाल में जयपुर में आयोजित एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम में राहडा फाउंडेशन द्वारा लगाए गए गोकाष्ठ एवं गौ-आधारित उत्पादों के स्टॉल का अवलोकन करते हुए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी इस अभिनव पहल की सराहना की। संस्था की संस्थापक अर्चना सिंह चारण ने इस सम्मान को पूरी टीम, सहयोगियों और समाज के सहयोग का परिणाम बताते हुए कहा कि राहडा फाउंडेशन का उद्देश्य केवल सेवा कार्य करना ही नहीं, बल्कि समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाना भी है।

एसीबी की बड़ी कार्रवाई: 10 हजार की रिश्वत लेते दो सरकारी कर्मचारी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सरकारी कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एसीबी की टीम ने कोष कार्यालय के सहायक प्रशासनिक अधिकारी मिलन भट्ट और तहसील कार्यालय के वरिष्ठ सहायक कचरू कटारा को 10 हजार रुपए की घूस लेते पकड़ा। दोनों आरोपियों पर एक व्यक्ति को पुलिस केस में फंसाने की धमकी देकर पैसे मांगने का आरोप है। एसीबी महानिदेशक गोविन्द गुप्ता के अनुसार परिवादी ने ई-मित्र के माध्यम से जाति प्रमाण पत्र और मूल निवास प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। इसी दौरान वरिष्ठ सहायक कचरू कटारा ने आवेदन में लगे पटवारी के हस्ताक्षर को फर्जी बताते हुए परिवादी को धमकाया कि उसके खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवा दिया जाएगा। मामले को दबाने के बदले उसने 10 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की। परिवादी की शिकायत मिलने पर एसीबी ने पहले मामले का सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई। इसके बाद सोमवार को एसीबी बांसवाड़ा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऋषिकेश मीणा के नेतृत्व में टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही परिवादी ने कचरू कटारा को रिश्वत की राशि दी, एसीबी की टीम ने उसे मौके पर ही पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि कचरू कटारा ने यह राशि सहायक प्रशासनिक अधिकारी मिलन भट्ट को दे दी थी। एसीबी टीम ने मिलन भट्ट के पास से भी रिश्वत की रकम बरामद कर ली। फिलहाल एसीबी दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। साथ ही उनके पास मौजूद अन्य फाइलों और पुराने रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं उन्होंने पहले भी इसी तरह लोगों को डराकर वसूली तो नहीं की है।

चेटीचंड महोत्सव कड़ी में 15 को फतेहसागर पर होगी भव्य 'सिंधी वॉकाथॉन' कार्यक्रम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सिंधी समाज के आराध्य भगवान झूलेलाल के पावन जन्मोत्सव चेटीचंड महोत्सव के उपलक्ष्य में शहर में सिंधी समाज की एकता, उत्साह और सांस्कृतिक गौरव को प्रदर्शित करने के उद्देश्य से भव्य "सिंधी वॉकाथॉन" का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। कार्यक्रम के संयोजक संजय खथूरिया एवं कपिल नाचानी ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के विभिन्न सिंधी संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में यह वॉकाथॉन 15 मार्च 2026, रविवार को प्रातःकाल फतेहसागर झील क्षेत्र में आयोजित की जाएगी। वॉकाथॉन में सिंधी समाज के महिला-पुरुष, युवा, बच्चे एवं वरिष्ठजन उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वरूप सागर गेट से फतेहसागर पाल तक सामूहिक वॉक करेंगे।

झूलेलाल सेवा समिति के अध्यक्ष प्रताप राय चुघ ने बताया कि पिछले वर्ष आयोजित वॉकाथॉन में सुबह 6 बजे इतनी बड़ी संख्या में सिंधी समाज की भागीदारी ने सभी उदयपुरवासियों को आश्चर्यचकित कर दिया था। समाजजनों के अभूतपूर्व उत्साह और सहयोग से कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा था। इसी उत्साह को देखते हुए इस वर्ष आयोजन को और अधिक भव्य और व्यवस्थित रूप देने की तैयारी की जा रही है

समाज प्रमुख व पूर्व राज्य मंत्री हरीश राजानी ने बताया आयोजन की विशेषता यह रहेगी कि सभी प्रतिभागी एक समान रंग की टी-शर्ट एवं कैप पहनकर वॉक में शामिल होंगे, जिससे समाज की एकजुटता और संगठित शक्ति का आकर्षक दृश्य प्रस्तुत होगा। कार्यक्रम के माध्यम से सिंधी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक सद्भाव का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

संगठन के सतीश वाधवानी ने बताया कि वॉकाथॉन में भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होगा तथा रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 11 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे तक निर्धारित की गई है, ताकि आयोजन की व्यवस्थाएं सुचारू रूप से की जा सकें। प्रतिभागियों को टी-शर्ट होगी। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों के लिए अल्पाहार की व्यवस्था भी की जाएगी। आयोजन समिति ने सिंधी समाज के सभी परिवारों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक और सफल बनाने का आह्वान किया है।

वॉकाथॉन से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक प्रतिभागी ऑनलाइन व मोबाइल 9529621111, 9214888222 एवं 7014764921 पर संपर्क कर सकते हैं।

यह आयोजन शहर में सिंधी समाज की एकता, भाईचारे और सांस्कृतिक पहचान को मजबूती देने के साथ ही सामाजिक सौहार्द का प्रेरणादायी संदेश भी देगा।

आईएएस प्रशिक्षु अधिकारियों ने नारायण सेवा संस्थान में सेवा कार्यों को देखा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मार्च। लाल बहादुर शास्त्री नेशनल एकेडमी ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन, मसूरी के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के ग्यारह प्रशिक्षु अधिकारियों ने सोमवार को नारायण सेवा संस्थान का अवलोकन कर दिव्यांगजन की शिक्षा, चिकित्सा एवं सामाजिक पुनर्वास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली। अधिकारियों ने देश के विभिन्न राज्यों से निःशुल्क उपचार तथा कृत्रिम अंग और कैलिपर लगवाने आए दिव्यांगजनों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा को समझा तथा संस्थान में उपलब्ध सेवाओं और सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि ग्रुप लीडर गोसिका पी आर एवं एसोसिएट ग्रुप लीडर अंकित पांडे के नेतृत्व में आए इस दल में हरिप्रसाथ एम, सुशांत कुमार, शिवानी मोहन, सक्षम भाटिया, पाटिल कृष्णा बब्रुवान, कुमुद मिश्रा, फरखंदा कुरैशी, दिव्यांश मीना और अभिषेक कुमार सिंह शामिल थे। प्रशिक्षु दल ने संस्थान के बड़ी स्थित परिसर में दिव्यांगों की सर्जरी व्यवस्था, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण के अंतर्गत संचालित सिलाई, मोबाइल और कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्रों तथा कृत्रिम अंग-कैलिपर निर्माण कार्यशाला का अवलोकन किया। दल ने गरीब बच्चों को डिजिटल शिक्षा देने वाली नारायण चिल्ड्रन एकेडमी में बच्चों की प्रतिभा और कला-कौशल को भी रुचि के साथ देखा। संस्थान निदेशक वंदना अग्रवाल ने अधिकारियों का उपरणा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया और संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। डॉ. विशाल अग्रवाल ने इलिज़ारोव पद्धति से दिव्यांगों के उपचार की प्रक्रिया समझाई, जबकि डॉ. मानस रंजन साहू ने कृत्रिम अंग एवं कैलिपर निर्माण की तकनीक और प्रकारों के बारे में बताया। कार्यक्रम के अंत में महिम जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

युवा प्रतिभा पुरस्कार प्रतियोगिता हेतु आवेदन 11 मार्च तक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मार्च। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर द्वारा आयोजित होने वाली 'युवा प्रतिभा पुरस्कार प्रतियोगिता' में भाग लेने वाले इच्छुक युवाओं से दिनांक 11 मार्च तक आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक फुरकान खान ने युवा प्रतिभा पुरस्कार प्रतियोगिता के बारे में बताया कि 18 से 30 वर्ष की मध्य की आयु वाले युवाओं की विभिन्न प्रतिभाएं यथा लोक गायन, लोक नृत्य, लोक वाद्य वादन तथा लोकनाट्य को एक राज्य स्तरीय मंच देने एवं उनकी कलाओं को प्रोत्साहित करने एवं राज्य/देश स्तर पर पहचान दिलाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में इस वर्ष की प्रतियोगिता 14 मार्च 2026 शनिवार को शिल्पग्राम उदयपुर में सुबह 10 बजे से आयोजित की जायेगी। इच्छुक युवा आवेदन केन्द्र की ईमेल आईडी अथवा सादे कागज पर बागोर की हवेली गणगौर घाट उदयपुर में 11 मार्च 2026 सायं 5 बजे तक जमा करा सकते है। अपनी उम्र के प्रमाण हेतु शैक्षणिक अंक तालिका साथ लानी अनिवार्य होगी। इस संबंध में अतिरिक्त जानकारी आप पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के फेसबुक पेज तथा वेबसाइट WWW.WZCCINDIA.COM पर प्राप्त कर सकते हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

तेल व गैस आपूर्ति को लेकर सांसद गरासिया ने मांगी जानकारी, मंत्री ने बताया निर्बाध आपर्ति के लिए सरकार ने कई कदम उठाए

भारत 2024 से 2035 के बीच तेल की वैश्विक मांग का 40 प्रतिशत से अधिक और प्राकृतिक गैस की मांग का लगभग 8 प्रतिशत के वृद्धि में योगदान करेगा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री सुरेश गोपी ने बताया कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के दौरान आपूर्ति में व्यवधान के जोखिम को कम करने और निर्बाध ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं को बनाए रखने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने राज्यसभा में सांसद चुन्नीलाल गरासिया द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी। श्री गरासिया ने मंत्रालय से यह जानकारी मांगी थी कि भारत की समग्र ऊर्जा खपत में अनुमानित वृद्धि को देखते हुए अगले 10-15 वर्षों के दौरान देश में कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम उत्पादों की अनुमानित मांग क्या है तथा आयात स्रोतों के विविधीकरण, रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारों के विस्तार और घरेलू अन्वेषण एवं उत्पादन को प्रोत्साहन सहित दीर्घकालिक हाइड्रोकार्बन आपूर्ति सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि सरकार कई कदम उठा रही है जिनमें कच्चे तेल के आयात स्रोतों में विविधता लाना, संघर्षरत् क्षेत्रों से बचना और प्रमुख तेल उत्पादक देशों तथा अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए), पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक) और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा मंच (आईईएफ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ राजनयिक संबंधों को मजबूत करना शामिल है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि भारत की सुदृढ़ आर्थिक प्रगति के कारण यह अनुमान लगाया जा रहा है कि वह वर्ष 2035 तक वैश्विक ऊर्जा मांग में वृद्धि का एक प्रमुख चालक बना रहेगा। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार भारत वर्ष 2024 से वर्ष 2035 के बीच तेल की वैश्विक मांग का 40 प्रतिशत से अधिक और प्राकृतिक गैस की मांग का लगभग 8 प्रतिशत के वृद्धि में योगदान करेगा, जबकि ओपेक का अनुमान है कि इसी अवधि में तेल में भारत की हिस्सेदारी लगभग 23 प्रतिशत और गैस में 10 प्रतिशत होगी। सरकार ने इंडियन स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व लिमिटेड (आईएसपीआरएल) नामक एक विशेष प्रयोजनार्थ कम्पनी के माध्यम से 5.3 लाख मीट्रिक टन (एमएमटी) की कुल क्षमता वाली कार्यनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) सुविधाएं स्थापित की हैं, जो अल्पकालिक आपूर्ति संकटों के लिए बफर का काम कर सकती हैं। पेट्रोलियम भंडार की क्षमता को और बढ़ाने के लिए सरकार ने जुलाई 2021 में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर 6.5 लाख मीट्रिक टन (एमएमटी) की कुल भंडारण क्षमता वाली दो अतिरिक्त सुविधाओं की स्थापना को भी मंजूरी दी थी, जिनमें से 4 लाख मीट्रिक टन ओडिशा के चांदीखोल में और 2.5 लाख मीट्रिक टन कर्नाटक के पादुर में स्थापित की जाएंगी।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान को लेकर भाजपा उदयपुर देहात की कार्यशाला आयोजित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मार्च। भारतीय जनता पार्टी द्वारा संचालित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान की तैयारियों के तहत भाजपा उदयपुर देहात की प्रशिक्षण कार्यशाला बलिचा स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित की गई। तीन सत्रों में आयोजित इस कार्यशाला की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पुष्कर तेली ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. अलका मूंदड़ा उपस्थित रहीं। कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. अलका मूंदड़ा ने कहा कि प्रशिक्षण महाअभियान का उद्देश्य संगठनात्मक रूप से सक्षम और वैचारिक रूप से सशक्त कार्यकर्ताओं का निर्माण करना है, जो राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पित भाव से कार्य करें। उन्होंने कहा कि इस अभियान के माध्यम से संगठन की मजबूती के साथ कार्यकर्ताओं को विकसित भारत और विकसित राज्य के लक्ष्य के लिए तैयार किया जाएगा।

जिलाध्यक्ष पुष्कर तेली ने कहा कि भाजपा एक वैचारिक आधार पर कार्य करने वाला संगठन है। पार्टी के विचार, पंचनिष्ठाएं तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रशिक्षित कार्यकर्ताओं का होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पार्टी का परिवार लगातार बढ़ रहा है और नए सदस्य जुड़ रहे हैं, ऐसे में कार्यकर्ताओं को वैचारिक रूप से सुदृढ़ करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने आगामी प्रशिक्षण महाअभियान की मंडल और बूथ स्तर की कार्ययोजना की भी जानकारी दी।

प्रशिक्षण महाअभियान के प्रदेश सह-संयोजक डॉ. पंकज बोराणा और संभाग संयोजक श्रवण सिंह राव ने अभियान के विषयों तथा चरणबद्ध कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी।

कार्यशाला को प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ. चंद्रगुप्त सिंह चौहान, पूर्व जिलाध्यक्ष भवर सिंह पंवार, तख्त सिंह शक्तावत, गोपाल पालीवाल और कन्हैया लाल मीणा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री एवं जिला संयोजक ललित सिंह सिसोदिया ने किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण महाअभियान के जिला पालक एवं जिला उपाध्यक्ष चंद्रशेखर जोशी, नरेंद्र सिंह आसोलिया, घनश्याम मेनारिया, रोशन सुथार, दीपक शर्मा, सोनल मीणा सहित कई जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, वर्गाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उदयपुर में अवैध हुक्का बार पर पुलिस की कार्रवाई: 8 हुक्का जब्त, संचालक गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पुलिस द्वारा शहर में अवैध हुक्का बार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस ने सुखेर थाना क्षेत्र के 100 फीट रोड स्थित 'द सेश कैफे' पर दबिश देकर 8 हुक्के और भारी मात्रा में नशीले फ्लेवर सहित अन्य सामग्री जब्त की है। इस मामले में कैफे संचालक को गिरफ्तार किया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अवैध हुक्का बारों के खिलाफ जिलेभर में अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत थानाधिकारी सुखेर की टीम और डीएसटी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए द सेश कैफे पर छापा मारा।

कैफे में ग्राहकों को पिलाया जा रहा था हुक्का

पुलिस के अनुसार नितेश निमावत पिता ओमप्रकाश निवासी खटीकवाड़ा, थाना धानमंडी हाल संचालक द सेश कैफे (जुडियो शोरूम के पास, 100 फीट रोड) अवैध रूप से हुक्का रखकर ग्राहकों को पिला रहा था। टीम ने मौके से 08 अवैध हुक्के, नशीले फ्लेवर और हुक्का से जुड़ी अन्य सामग्री बरामद कर जब्त कर ली।

आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपी नितेश निमावत को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया है। मामले में आगे की जांच और अनुसंधान जारी है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार शहर में अवैध हुक्का बारों और नशीले पदार्थों के उपयोग के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा। नियमों का उल्लंघन करने वाले कैफे और संचालकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

“ब्राह्मी सुंदरी के नाम” आयोजन में महिलाओं की सशक्त प्रस्तुतियाँ, विशिष्ट विभूतियाँ सम्मानित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। श्री मेवाड़ जैन युवा संस्थान की ओर से टाउनहॉल स्थित सुखाड़िया रंगमंच पर महिला सशक्तिकरण को समर्पित “ब्राह्मी सुंदरी के नाम” सांस्कृतिक नृत्य-नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खचाखच भरे सभागार में जैन समाज की महासतियों के त्याग, तप और आदर्श जीवन प्रसंगों पर आधारित प्रस्तुतियों ने ऐसा समां बांधा कि दर्शक देर तक तालियों से कलाकारों का उत्साह बढ़ाते रहे। समाज के विभिन्न महिला मंडलों की भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर समाज की विशिष्ट महिलाओं को नारी गौरव अलंकरण सम्मान से सम्मानित किया गया। महिला विंग की संयोजिकाएँ अंजना गंगवाल, मंजू गदावत, ज्योत्सना जैन, अर्चना चित्तौड़ा, कविता सापढ़िया और ऊषा कुणावत ने बताया कि प्रतियोगिता में समाज के अनेक महिला संगठनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भक्ति महिला मंच ने सती राजिमती (नेमीनाथ की पत्नी), दिगम्बर जैन महिला महासमिति संभाग ने मेनासती, पारसनाथ महिला मंच ने निलांजना का नृत्य, महावीर चौत्यालय ने महासती चंदनबाला, शांतिनाथ मंदिर महिला संगठन कांच मंदिर ने माता के सोलह स्वप्न, आकांक्षा समूह ने सती अनंगसरा, कुंथू महिला मंच ने महासती चेलना, पुण्योदय समूह ने सती अनंतमती, सर्वव्याशा श्री दसा हुमड़

महिला परिषद ने सती सीता, जैन जागृति महिला मंच ने सोमा सती, संयम महिला मंच ने सती सुभद्रा, बीसा नरसिंहपुरा युवा संस्थान ने सती मनोवती, आदिनाथ महिला मंडल केशव नगर ने ब्राह्मी सुंदरी तथा श्री दिगंबर जैन चित्तौड़ा महिला मंडल ने माता मरुदेवी से जुड़े प्रसंगों की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती तारिका पाटनी, विशिष्ट अतिथि डॉ. ज्योति जैन, रतन देवी नावड़िया, डॉ. ज्योत्सना जैन, सरोज सोनी और मंजू गदावत उपस्थित रहीं।

इस दौरान समाज की महिला विभूतियों में तारिका पाटनी को समाज गौरव से सम्मानित किया गया, जबकि डॉ. सीमा गांधी, डॉ. मंजु जैन, बाल ब्रह्मचारिणी वीणा दीदी बिगुल, श्रीमती किरण महेंद्र कुमार मलावत और डिम्पल हेमेन्द्र हण्डावत को पगड़ी-परना ओढ़ाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर नारी गौरव अलंकरण प्रदान किया गया। संस्थान के संरक्षक पारस सिंघवी ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ की जयंती समाज द्वारा भव्य रूप से मनाने का निर्णय लिया गया है और इसी क्रम में यह आयोजन आयोजित किया गया है। संस्थान अध्यक्ष निर्मल मालवी ने 12 मार्च को भगवान आदिनाथ जयंती पर निकलने वाली भव्य शोभायात्रा सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्याध्यक्ष शान्तिलाल गांगावत ने बताया कि संस्थान पिछले कई वर्षों से भगवान आदिनाथ की जयंती उत्साहपूर्वक मनाता आ रहा है और समाज की सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वहीं महामंत्री राजेश देवड़ा ने संस्थान की भावी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का शुभारंभ श्रीमती निकिता शाह द्वारा प्रस्तुत मंगलाचरण से हुआ। मंच संचालन के दौरान अतिथियों का परिचय कराया गया तथा अंत में समाजजनों से 12 मार्च को भगवान आदिनाथ जयंती पर निकलने वाली भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया।

नाट्य महाकुंभ में गूंजा उदयपुर का स्वर, रंगमंच और साहित्य की सशक्त उपस्थिति

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बीकानेर में आयोजित बीकानेर रंग महोत्सव के दसवें संस्करण में इस बार उदयपुर की रंग परंपरा और साहित्यिक चेतना की उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज हुई। देश के प्रमुख रंग आयोजनों में प्रतिष्ठित इस महोत्सव में उदयपुर से नाट्य निर्देशक सुनील टांक तथा वरिष्ठ साहित्यकार कुंदन माली को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया, जिन्होंने अपने विचारों और अनुभवों के माध्यम से मेवाड़ की सांस्कृतिक विरासत को व्यापक मंच पर प्रस्तुत किया।

देश के महत्वपूर्ण रंग आयोजनों में गिने जाने वाला यह महोत्सव राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय द्वारा आयोजित भारत रंग महोत्सव के बाद देश का दूसरा बड़ा नाट्य आयोजन माना जाता है। नाटकों के महाकुंभ के रूप में प्रतिष्ठित यह आयोजन इस वर्ष छह दिनों तक चला, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए रंगकर्मियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से रंगमंच की विविधता का प्रदर्शन किया। महोत्सव के दौरान तीस से अधिक रंगमंचीय नाट्य प्रस्तुतियां और लगभग पचास नुक्कड़ नाटकों का मंचन हुआ। इसके साथ ही रंगमंच और साहित्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर कई सारगर्भित चर्चाएं भी आयोजित की गईं। इन परिचर्चाओं में देश के अनेक प्रतिष्ठित साहित्यकारों और रंगकर्मियों ने भाग लिया। प्रमुख रूप से नंद किशोर आचार्य, प्रदीप भटनागर, अर्जुन देव चारण, गोपाल आचार्य, मधु आचार्य, हरीश बी. शर्मा तथा सुरेन्द्र धारणिया सहित अनेक साहित्यकार और नाटककार उपस्थित रहे। इस वर्ष महोत्सव को राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के पूर्व निदेशक देवेंद्र राज अंकुर को समर्पित किया गया और उनकी उपस्थिति में ही इस सांस्कृतिक आयोजन का शुभारंभ हुआ। इस महोत्सव को व्यापक पहचान दिलाने में सुदेश व्यास और उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, जिनके सतत प्रयासों से यह आयोजन राष्ट्रीय ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बना चुका है। निर्मोही व्यास सम्मान अजय कुमार को प्रदान किया गया। वहीं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के रंगमंडल प्रमुख राजेश सिंह की उपस्थिति में रंगमंडल द्वारा रामगोपाल बजाज के कालजयी नाटक ‘अंधायुग’ सहित कई महत्वपूर्ण नाटकों का प्रभावशाली मंचन किया गया। इसके अतिरिक्त ‘सरफरोश’, ‘स्वदेश’, ‘मकड़ी’ और ‘जंगल’ जैसी फिल्मों में अभिनय से पहचान बनाने वाले अभिनेता मकरंद देशपांडे ने नाटक ‘पियक्कड़’ की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पूरे बीकानेर शहर में अलग-अलग स्थानों पर नाट्य मंचन, साहित्यिक चर्चा, पुस्तक दीर्घा, कार्यशालाएं, परिचर्चाएं, संगीत कार्यक्रम, लोक कला प्रस्तुतियां, धरोहर परिक्रमा और नुक्कड़ नाटकों सहित अनेक सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रतिदिन प्रातः आठ बजे से रात्रि ग्यारह बजे तक चलने वाले इन आयोजनों में देशभर से आए एक हजार से अधिक रंगकर्मी और साहित्यकार शामिल हुए, जिससे पूरा शहर मानो एक विशाल सांस्कृतिक कुंभ में परिवर्तित हो गया। इसी अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार कुंदन माली ने उदयपुर के साहित्यिक योगदान और उसकी समृद्ध परंपरा पर अपने विचार व्यक्त किए। वहीं नाट्य निर्देशक सुनील टांक ने उदयपुर के रंगमंच, लोक कलाओं और मेवाड़ की कला-संस्कृति से उपस्थित लोगों को परिचित कराया। उन्होंने उदयपुर शहर और मेवाड़ संभाग की विविध कलाओं तथा सांस्कृतिक परंपराओं का परिचय देते हुए इस सांस्कृतिक महोत्सव में शहर का प्रतिनिधित्व किया।

राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ उदयपुर प्रथम की नई कार्यकारिणी गठित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ उदयपुर प्रथम की नई जिला कार्यकारिणी का गठन रविवार को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के सभागार में संपन्न हुए चुनाव के साथ किया गया। प्रदेश अध्यक्ष शेर सिंह चौहान के निर्देशानुसार आयोजित इस चुनाव प्रक्रिया को चुनाव पर्यवेक्षक राम प्रताप मीणा और चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र जैन की देखरेख में सम्पन्न कराया गया। चुनाव में संगठन के जिला सभाध्यक्ष के रूप में चन्द्रशेखर परमार, जिला अध्यक्ष पद पर कमलेश शर्मा तथा जिला महामंत्री पद पर सुभाष बिश्नोई निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए।

निर्वाचन के बाद आयोजित शपथ समारोह में जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के कुलपति कर्नल प्रोफेसर शिवसिंह सारंगदेवोत ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इसके पश्चात जिला अध्यक्ष कमलेश शर्मा ने नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा की। कार्यकारिणी में संरक्षक के रूप में मनोज मोची, संघर्ष समिति अध्यक्ष के रूप में गजेंद्र शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में हितेंद्र दवे तथा उपाध्यक्ष पद पर कृष्ण कुमार लखारा और पुष्कर लोहार को दायित्व सौंपा गया।

कोषाध्यक्ष के रूप में ईश्वर सिंह राठौड़, महिला संयोजिका के रूप में प्रेम कुमावत, संगठन मंत्री के रूप में राम अवतार गुर्जर को नियुक्त किया गया। महिला उपाध्यक्ष के रूप में लीला प्रजापत और इंदु शर्मा, महिला संगठन मंत्री के रूप में ज्योति चौबीसा, कमला और गरिमा नागदा को जिम्मेदारी दी गई। इसके अतिरिक्त प्रताप सिंह राजपूत को प्रवक्ता, सुरेश गरासिया को प्रदेश प्रतिनिधि, राजेंद्र जोशी को व्याख्याता प्रतिनिधि तथा दयाशंकर पालीवाल को प्रबोधक प्रतिनिधि मनोनीत किया गया। समारोह के दौरान उपस्थित शिक्षकों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की अपेक्षा व्यक्त की।

पंच गौरव के तहत तैराकी में उभरी नई प्रतिभाएं, ब्लॉक स्तरीय स्पर्धाओं में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। राजस्थान सरकार के पंच गौरव कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में खेल प्रतिभाओं की खोज और उन्हें प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तरीय तैराकी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में संचालित इस पहल के तहत रविवार को गिर्वा, ऋषभदेव, खैरवाड़ा और नयागांव ब्लॉकों में तैराकी प्रतियोगिताएं उत्साह और प्रतिस्पर्धा के माहौल में सम्पन्न हुईं। जिला खेल अधिकारी डॉ. महेश पालीवाल ने बताया कि जिले के सभी ब्लॉकों में चरणबद्ध रूप से प्रतियोगिताएं आयोजित कर उभरती खेल प्रतिभाओं की पहचान की जा रही है, ताकि उन्हें जिला और राज्य स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। गिर्वा ब्लॉक की प्रतियोगिता महाराणा प्रताप खेल गांव में प्रशिक्षक सुनील कुमावत, धर्मवीर सिंह राणावत और रणवीर सिंह राणावत के निर्देशन में आयोजित हुई। प्रतियोगिता में ब्लॉक प्रभारी दिनेश डामोर, संजय पंडया और ओंकारलाल मीणा के नेतृत्व में क्षेत्र के प्रतिभाशाली तैराकों ने भाग लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। पंच गौरव योजना के अंतर्गत ‘एक जिला–एक खेल’ पहल के तहत खैरवाड़ा स्थित अतिथि पैलेस होटल के तरणताल में भी ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें ऋषभदेव, खैरवाड़ा और नयागांव क्षेत्र के तैराकों ने हिस्सा लिया। ऋषभदेव में आयोजित स्पर्धा में संजय मीणा, शीला मीणा, रियोन भगोरा, शांतिलाल मीणा और कल्पना मीणा ने स्वर्ण पदक हासिल किए। सीमा मीणा, सुशीला मीणा, गौरव मीणा, ऋषभ मीणा और रवि प्रकाश मीणा ने रजत पदक प्राप्त किए, जबकि आयुष मीणा, नमन मीणा, गोविंद मीणा, आशिक मीणा और रीतिका मीणा कांस्य पदक विजेता रहे। खैरवाड़ा में मधु मीणा, अविनाश मीणा और कल्पना ने स्वर्ण पदक जीते। शिल्पा संदीप, संगीता और राशि को रजत पदक मिला, जबकि निपीका, अशोक, प्रिमल, प्रियंका अहारी, अंकिता और शीतल ने कांस्य पदक अपने नाम किए। नयागांव में रविलाल, अक्षय, अल्पेश, पूजा और सोनिया स्वर्ण पदक विजेता रहे। वहीं शामिल, विजय, राकेश और काजल ने रजत तथा आर्यन बरंडा, संजय और सत्यम ने कांस्य पदक हासिल किए। प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि भाजपा मीडिया प्रभारी एवं समाजसेवी पारस जैन रहे, जबकि अध्यक्षता भूधर सरपंच बद्रीलाल भगोरा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राधेश्याम सुथार उपस्थित रहे। निर्णायक मंडल में भारत भूषण जोशी, लक्ष्मणलाल बरंडा, सूर्य खोखरिया, लालूराम मीणा, अविनाश मीणा, रीना डामोर, रोशन गमार, प्रभुलाल खराड़ी, लालशंकर मीणा तथा दल प्रभारी बहादुर सिंह मीणा ने भूमिका निभाई। उदयपुर में आयोजित स्पर्धा में करीब 60 तैराकों ने भाग लिया, जिनमें संयम मीणा, तनुष सक्सेना, वीरेंद्र कुमार मीणा, सौरभ सेन, अरुण मीणा, हिम्मत कुमार मीणा, आरव चौबीसा, राजकुमार मीणा, अर्जुन मीणा, राजवीर सिंह चौहान, मदन गायरी, कार्तिक गुर्जर, देवव्रराज सोनी और आलिया सक्सेना को विजेता घोषित किया गया। सभी विजेताओं को पदक और स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिला खेल अधिकारी डॉ. पालीवाल ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में चयनित प्रतिभागियों को 13 मार्च से 28 मार्च तक महाराणा प्रताप खेल गांव में आयोजित 15 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही 10 मार्च को झाड़ोल, फलासिया और कोटड़ा ब्लॉकों में भी तैराकी प्रतियोगिताओं का आयोजन कर नई खेल प्रतिभाओं की तलाश की जाएगी।

होमगार्ड अभ्यर्थियों की नामांकन प्रक्रिया 29 से 31 मार्च तक, 350 पदों के लिए 7711 अभ्यर्थी लेंगे भाग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 9 मार्च। गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र उदयपुर में वर्ष 2022 के अभ्यर्थियों की नामांकन प्रक्रिया 29 मार्च से 31 मार्च 2026 तक चेतक सर्कल स्थित गांधी ग्राउंड में आयोजित की जाएगी। गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र उदयपुर के कमाडेंट प्रणय जसोरिया ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया निदेशालय, गृह रक्षा राजस्थान जयपुर द्वारा गठित चयन समिति (बोर्ड) के सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न होगी। चयन समिति में केन्द्र/गण के समादेष्टा, गृह रक्षा महानिदेशक के प्रतिनिधि तथा जिला पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल रहेंगे। तीन दिनों तक चलने वाली इस नामांकन प्रक्रिया में केन्द्र के 350 रिक्त पदों के विरुद्ध कुल 7711 अभ्यर्थी भाग लेंगे। अभ्यर्थियों को प्रक्रिया की सूचना मोबाइल पर एसएमएस और ई-मेल के माध्यम से भेजी जाएगी। अभ्यर्थी दिए गए लिंक या विभागीय वेबसाइट पर जाकर अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। गृह रक्षा स्वयंसेवकों की नामांकन प्रक्रिया लगभग तीन सप्ताह तक चलने की संभावना है। इसके लिए विभिन्न जिलों के अभ्यर्थियों को अलग-अलग तिथियों और समय पर उपस्थित होने के लिए बुलाया जाएगा। अभ्यर्थियों को निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर मूल निवास, आयु, शैक्षणिक योग्यता, विशेष योग्यता, जाति, चिकित्सा, विवाह और पुलिस सत्यापन प्रमाण-पत्र सहित सभी आवश्यक दस्तावेज लेकर उपस्थित होना होगा। नामांकन स्थल पर प्रवेश के बाद किसी भी अभ्यर्थी को ग्राउंड से बाहर जाकर दस्तावेज लाने की अनुमति नहीं होगी। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिए अभ्यर्थी कार्यालय के दूरभाष नंबर 0294-2940209 पर संपर्क कर सकते हैं।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।